14. Mr. Sol Schindler. Books Officer, U.S.I.S.—*Secretary.*

2. The Board has, through its Sub-Committee, approved a number of titles for re-publication under the Scheme, and has also resolved a number of administrative problems.]

श्री राम सहाय : क्या मैं यह जान सकूंगा कि इस में आपने कितने विषयों की पुस्तकों को प्राथमिकता दी है ?

डा० कालू लाल श्रीमाली : इस में पुस्तकें साइंस की, टेकनालाजी की, ह्यूमैनिटीज़ की और वे होंगी जो इस देश में उपलब्ध नहीं हैं और जो हमको बाहर से मंगानी पड़ती हैं ।

श्री राम सहाय : क्या कुछ पुस्तकों की छपाई आरम्भ हो गई है ?

डा० कालू लाल श्रीमाली : १० पुस्तकों की छपाई हो गई है ।

श्री राम सहाय : वे किस किस विषय की हैं ?

DR. K. L. SHRIMALI: College Chemistry by Linus Pauling, Statistical Methods Applied to Experiments in Agriculture and Biology by G. W. Snedecor. International Law by Charles G. Fenwick, A descriptive Petrography of the Igneous Rocks, Vol. I by Albert Johannsen, A descriptive Petrography of the Igneous Rocks, Vol. II, by Albert Johannsen, Kenitic Theory of Gases by Earlie H. Kennard, Elements of Physical Metallurgy by A. G. Guy, Europe and the modern world, Vols. I and II by Gottschalk and Lach. Principles of *Industrial Organisation* by D. S. Kimbell and D. S. Kimball, Jr.

रेडिएशन मेडिसिन में डिप्लोमा कोर्स

*२६६. **श्री राम सहाय** : क्या **प्रतिरक्षा** मंत्री अपने मंत्रालय के १९६१-६२ के वार्षिक प्रतिवेदन के पृष्ठ ६५ को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या रेडिएशन मेडिसिन का डिप्लोमा कोर्स आरम्भ हो गया है ; और

(ख) क्या इस कोर्स के लिये व्यावहारिक प्रशिक्षण का कार्य, जिस के लिये आर्म्ड फ़ोर्सेज़ इन्स्टीट्यूशन, दिल्ली छावनी में प्रबन्ध किया गया था, प्रारम्भ हो गया है ?

†[DIPLOMA COURSE IN RADIATION MEDICINE

*266. SHRI RAM SAHAI: Will the Minister of DEFENCE be pleased to refer to page 65 of the annual report of his Ministry for the year 1961-61 and state:

(a) whether the Diploma Course in Radiation Medicine has since been started; and

(b) whether the practical training for this course for which arrangements were made at the Armed Forces Institution, Delhi Cantonment, has been started?]

प्रतिरक्षा मंत्रालय में उपमंत्री (श्री डी० आर० चव्हाण) : (क) और (ख) दिल्ली विश्वविद्यालय का इस वर्ष जुलाई से रेडिएशन मेडिसिन में डिप्लोमा पाठ्यक्रम आरम्भ करने का विचार है । इस निमित उन्होंने दिल्ली की विभिन्न संस्थाओं में यह देखने को एक निरीक्षक दल भेजा है कि किस किस में यह प्रशिक्षण शुरू किया जा सकता है । इस निमित सैनिक अस्पताल दिल्ली छावनी और डिफेंस साइंस लेबोरेटरी मेटकाफ हाउस का भ्रमण किया गया है,

†[ ] English translation.

और उन्हें प्रस्तावित प्रशिक्षण देने के उपयुक्त माना गया है ।

†[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI D. R. CHAVAN): (a) and (b) The University of Delhi propose to start a Diploma Course in Radiation Medicine with effect from July, this year. In this connection they appointed an Inspecting Team to go round the various Institutions in Delhi which could undertake this training. Military Hospital, Delhi Cantonment and Defence Science Laboratory, Metcalf House were among the Institutions visited and these have been approved for imparting the proposed training.]

श्री राम सहाय : क्या मैं यह जान सकूंगा कि यह रेडिएशन मेडिसिन का उपयोग किस प्रकार और किन किन अवस्थाओं में किया जाता है ?

SHRI D. R. CHAVAN: The radioactive isotope is a new tool in the *armamentum* of a doctor. Its use is for medical purposes.

अनुसंधान और विकास प्रतिष्ठानों/प्रयोगशालाओं के लिये स्थायी इमारतें

***२६७. श्री राम सहाय** : क्या **प्रतिरक्षा** मंत्री अपने मंत्रालय के १९६१-६२ के वार्षिक प्रतिवेदन के पृष्ठ ४१-४२ को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अनुसन्धान और विकास प्रतिष्ठानों/प्रयोगशालाओं को, जो इस समय अस्थायी इमारतों में हैं, स्थायी इमारतों में रखने की व्यवस्था कब तक हो जायेगी ; और

(ख) इसके लिये जो प्लान विचाराधीन थे वे क्या अनुमोदित हो गये हैं ?

†[PERMANENT BUILDINGS FOR RESEARCH AND DEVELOPMENT ESTABLISHMENTS/LABORATORIES

*267. SHRI RAM SAHAI: Will the Minister of DEFENCE be pleased to refer to pages 41-42 of the annual report of his Ministry for the year 1961-62 and state:

(a) by when arrangements will be made for housing the Research and Development Establishments/Laboratories in permanent buildings in the place of temporary buildings in which they are housed now; and

(b) whether the plans which were under consideration for this purpose have been approved?]

प्रतिरक्षा मंत्रालय में उपमंत्री (श्री डी० आर० चह्वाण) : (क) अभी से यह बताना कठिन है, कि ठीक कितनी अवधि में अनुसन्धान और विकास प्रतिष्ठानों को स्थायी मकानों में बसा लिया जाएगा , कई अवयवों पर आधारित है यह, जैसे कि उपयुक्त भूमिक्षेत्र की प्राप्यता, निधि और इंजीनियरिंग संसाधन ।

(ख) जी हां । ६ बड़ी प्रयोगशालाओं के लिए ७·०४ करोड़ रुपये लागत के मकानों के निर्माण के लिए अनुमति दे दी गई है ।

†[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI D. R. CHAVAN): (a) It is difficult to forecast the exact period by which the R. & D. establishments will be housed in permanent buildings. Several factors, such as availability of suitable land, funds and engineering resources govern this.

(b) Yes, Sir. Approval has been given for the construction of buildings for six major laboratories at a total cost of Rs. 7·04 crores.]

†[ ] English translation.